

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी केकड़ी जिला अजमेर (राजस्थान)

राजस्व वाद पत्र संख्या 77/2020(2020/00189)

श्रीमति न्याली उम्र 45 साल पुत्री नारायण जाति बैरवा निवासी ग्राम बाजटा तहसील सावर जिला अजमेर —वादीयां

बनाम

1. छीतर उम्र 60 साल पुत्र महादेव
2. जयसिंह उम्र 45 साल पुत्र छीतर
समस्त जाति मीणा निवासी गण बाजटा तहसील सावर जिला अजमेर (राजस्थान)

—प्रतिवादीगण

वादपत्र अंतर्गत धारा 188, 209 राज 0 टेनेन्सी एक्ट

उपस्थित:- श्री निर्मल चौधरी वकील- वादीयां
कोई हाजिर नहीं- प्रतिवादीगण

दिनांक 6.1.21

संक्षेप में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार है कि वादीयां ने वादपत्र अंतर्गत धारा 188, 209 राज 0 टेनेन्सी एक्ट के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया कि ग्राम बाजटा तहसील सावर जिला अजमेर संवत् 2073-76 की निम्नवर्णित आराजीयात स्थित है:-

खाता संख्या नया-पुराना	खसरा संख्या	रकबा	किस्म
284-264	2290	0.45 है0	बारानी उत्तम

यह आराजी वादीयां के स्वामित्व व आधिपत्य की है तथा उस पर काशत कर पैदावार प्राप्त कर परिवार का पालन पोषण कर रही है। उक्त आराजीयात पर प्रतिवादीगण बिना किसी हक व अधिकार के जबरन नष्ट भ्रष्ट कर कब्जा करने पर उतारू हो रहे हैं व कब्जे काशत में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। जबकि उक्त आराजीयात में प्रतिवादीगण को वादीयां के कब्जे काशत की आराजी में बाधा उत्पन्न करने का कोई हक अधिकार नहीं है। प्रतिवादीगण वादीया को धमकी देते रहते हैं कि हम उक्त आराजी पर जबरन कब्जा करके रहेगे। प्रतिवादीगण को जरिये स्थायी निषेधाज्ञा पाबंद किया जावे कि वादीयां की उक्त कब्जे काशत उपयोग उपभोग की आराजी में किसी प्रकार की बाधा नहीं डाले न ही ऐसा कोई कार्य करे जिससे वादीयां अपनी आराजीयात से बेदखल हो। वाद प्रस्तुत करने का मूल कारण दिनांक 10.06.2020 को उत्पन्न हुआ, जब प्रतिवादीगण ने वादीया को आराजी से जबरन बेदखल करने की धमकी दी और अब दिन प्रतिदिन उत्पन्न हो रहा है। वादीया ने वादपत्र पर नियमानुसार कोर्ट फीस चस्प्या कर श्रवणाधिकार का होने से पेश किया है। तथा निवेदन किया है कि मेरा दावा डिकरी किया जावे। प्रकरण तलब किया गया। प्रतिवादीगण ने न्यायालय से जारी सम्मन लेने से मना कर दिया। प्रतिवादीगण द्वारा सम्मन लेने से इन्कार करने पर उनके खिलाफ दिनांक 09.09.2020 को एकतरफा कार्यवाही अमल में लायी जाकर जवाब बंद किया गया। प्रतिवादीगण की और से जवाब प्रस्तुत नहीं हुआ है अतः तनकी कायम की जाने की कोई आवश्यकता नहीं रही है। वादी वकील के निवेदन पर बहस सुनी गई।

वादी के लायक वकील श्री निर्मल चौधरी ने अपनी बहस प्रारंभ करते हुए कथन किया कि आराजी वाद वर्णित वाके ग्राम बाजटा की जमाबंदी संवत् 2073-2076 के खाता संख्या नया-पुराना 282-264 के खसरा नंबर 2290 रकबा 0.45 है0 बारानी उत्तम वादीयां की खातेदारी व कब्जे काशत की हैं। प्रतिवादीगण उक्त आराजी को नष्ट भ्रष्ट कर वादीयां के कब्जे काशत में बाधा उत्पन्न कर आराजी पर कब्जा करने पर आमादा हो रहे हैं। अतः वाद की डिकरी बहक वादीया खिलाफ प्रतिवादी सादिर फरमायी जावे। प्रतिवादीगण उनके नौकर चाकर

(2)

सगे संबंधी आदि को जरिये स्थायी निषेधाज्ञा पाबंद किया जावे कि वादियों की उक्त वर्णित आराजीयात में वादियों के कब्जे काशत उपयोग उपभोग में किसी प्रकार की बाधा नहीं डाले न ही वादिया की उक्त आराजीयात पर ऐसा कोई कार्य नहीं करे जिससे वादियों अपने कब्जे काशत की आराजीयात से बेदखल हो।

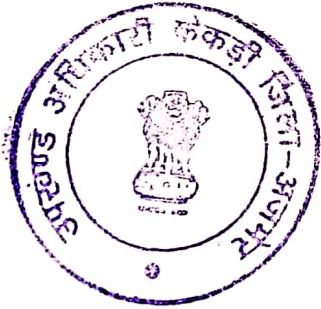
अनुतोष

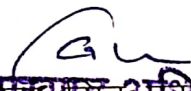
वादीयां ग्राम बाजटा की जमाबंदी संवत् 2073-76 के खाता संख्या नया-पुराना 282-264 खसरा नंबर 2290 रकबा 0.45 है0 बारानी उत्तम की खातेदार काशतकार है प्रतिवादीगण के विरुद्ध स्थायी निषेधाज्ञा का अनुतोष प्राप्त करने की अधिकारी है। वादीयां का वाद स्वीकार किया जाने योग्य है।

निर्णय

ग्राम बाजटा की जमाबंदी संवत् 2073-76 के खाता संख्या नया-पुराना 282-264 खसरा नंबर 2290 रकबा 0.45 है0 बारानी उत्तम की खातेदार काशतकार है, प्रतिवादीगण उनके नोकर चाकर हाली सीरी सगे संबंधी आदि को जरिये स्थायी निषेधाज्ञा पाबंद किया जाता है कि वे वादीयां के कब्जे काशत उपयोग उपभोग में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं करे। न ही ऐसा कोई कार्य करे जिससे वादीयां अपनी आराजी से बेदखल हों। डिकरी पर्चा इस आशय का जारी हो। खर्चा फरिकेन अपना अपना वहन करे।

निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया।




(सुमन लाल अग्रवाल)
उपखंड अधिकारी (कै) बीकानेर